कार्यालय-प्राचार्य शासकीय मदनलाल शुक्ल स्नातकोत्तर महाविद्यालय

नवाडीह चौक सीपत, जिला बिलासपुर (छ.ग.), पिन कोड - 495555

Website - https://gmlscollege.ac.in, Email_ gmlscseepat@gmail.com, AISHE CODE C-22298

क्रमाक /568/स्था./2025 सीपत, दिनांक 03/ 12/2025

To,

Scientist -B,
Silk Technical Service Centre,
Central Silk Board, Pendari, Bilaspur
E-mail ID- zobil.csb@nic.in

Subject- Request Letter for the Permission to visit the silk technical Service Centre, Central Silk Board, Pendari, Bilaspur unit as an educational tour of 50 students of post gradute (arts faculty) III sem. of Govt. M.L.S. PG College seepat.

Dear Sir,

An excursion tour of 50 post graduate students from (arts faculty) III semester of this institute proposes to visit the institute of Silk Technical Service Centre, Central Silk Board, Pendari, Bilaspur during the course of their educational tour.

The students for the purpose will be accompanied by Smt. Shweta Pandya (Assistant Professor). DR. Hempushpa Naik (Assistant Professor). Shri Vimal Tiwari (Guest Lecturer) and Shri Dhananjay (Guest Lecturer), Driver and Conducter of the vehicle. The team will be reaching the above mentioned centre on 5/12/2025 (Friday) around 11.30 am by bus.

I shall be grateful for the following:

1. Permission for one day visit to the Centre Silk Board Bilaspur Unit on 5/12/2025 (Friday) 11.30 am.
2. Providing guide/expert to conduct the above mentioned visit.

Your favorable reply is eagerly awaited to help us in the fruitful conduction of the tour program.

Contacts:

Smt. Shweta Pandya (Assistant Professor) mobile: 8889905222
DR.Hempushpa Naik (Assistant Professor) mobile: 9340188873

Smt. Shweta Pandya
(Assistant Professor)

वरिष्ठ तकनीकी सहायक
Sr. Technical Assistant
रेशम तकनीकी सेवा केन्द्र/Silk Technical Service Centre
के.रे.बो./C.S.T.R.I.
बिलासपुर-495001 (छ.ग.)/Bilaspur-495001 (C.G.)

Principal
Govt. MLS PG College Seepat
Distt. - Bilaspur (C.G.)

प्राचार्य
शास.एम.एल.एस. स्नातकोत्तर महाविद्यालय
सीपत, जिला बिलासपुर (छ.ग.)

E:/2025_26_office_Hindi Letter_274

equest letter for the permission to visit STSC, CSB Pendari

message

SB-STSC Bilaspur <zobil.csb@nic.in>
›: GOVT. MADAN LAL SHUKLA. COLLEGE SEEPAT <gmlscseepat@gmail.com> Thu, 4 Dec, 2025 at 10:17 a
:: Hemlal Sahu <hemlals.csb@nic.in>

Dear Sir/Madam,

This is to acknowledge receipt of your email along with the attached request letter regarding the proposed visit of students to STSC, Central Silk Board, Pendari.

We are pleased to welcome the students of Govt. M.L.S. College, Seepat, Bilaspur (C.G.) to STSC, CSB, Pendari. The proposed visit is noted, and necessary arrangements will be made to facilitate an informative and meaningful exposure to silk-related activities and technologies.

With regards

अशोक कुमार/Ashok Kumar
वैज्ञानिक-बी/Scientist-B
के.रे.प्र.अ.स. - रेशम तकनीकी सेवा केंद्र
CSTRI-Silk Technical Service Centre
केन्द्रीय रेशम बोर्ड, वस्त्र मंत्रालय -भारत सरकार
Central Silk Board, Ministry of Textile-Govt. of India
बिलासपुर(छ. ग.)/Bilaspur (C.G)-495112

--- On Wed, 03 Dec 2025 15:06:17 +0530 **GOVT. MADAN LAL SHUKLA. COLLEGE SEEPAT** <gmlscseepat@gmail.com> wrote ---
[Quoted text hidden]

Dear Sir/Madam,
Please find the request letter for the permission to visit STSC, Central Silk Board Pendari as an attachment. Please acknowledge receipt of this email.
...
With regards

Principal
Govt. M.L.S. College
Seepat, Bilaspur (C.G.)
+91-7752-265050
Email: gmlscseepat@gmail.com

प्रिय महोदय/महोदया
यह एस.टी.एस.सी. केन्द्रीय रेशम बोर्ड पेंडारी में छात्रों के प्रस्तावित दौरे के संबंध में संलग्न अनुरोध पत्र के साथ आपके ईमेल की प्राप्ति की पुष्टि है।

हमें शासकीय एमएलएस कॉलेज सीपत बिलासपुर (छत्तीसगढ़) के छात्रों का एसटीएससीए सीएसबी पेंडारी में स्वागत करते हुए प्रसन्नता हो रही है। प्रस्तावित भ्रमण को ध्यान में रखा गया है और रेशम से संबंधित गतिविधियों और तकनीकों से उन्हें जानकारीपूर्ण और सार्थक परिचय कराने के लिए आवश्यक व्यवस्था की जाएगी।

सस्नेह

अशोक कुमार/अशोक कुमार
वैज्ञानिक-बी/वैज्ञानिक-बी
के.रे.प्र.अ.स. - रेशम प्रौद्योगिकी सेवा केंद्र
सीएसटीआरआई-सिल्क तकनीकी सेवा केंद्र
रेशम रेशम बोर्ड वस्त्र मंत्रालय -भारत सरकार
केंद्रीय रेशम बोर्ड वस्त्र मंत्रालय-भारत सरकार
बिलासपुर(छ.ग.)/बिलासपुर (छ.ग.)-495112

बुधवार 03 दिसंबर 2025 15:06:17 +0530 को राजकीय मदन लाल शुक्ला महाविद्यालय सीपत gmlscseepat@gmail.com > ने लिखा

प्रिय महोदय/महोदया
कृपया एसटीएससी केंद्रीय रेशम बोर्ड पेंडारी के भ्रमण की अनुमति हेतु अनुरोध पत्र संलग्नक में देखें। कृपया इस ईमेल की प्राप्ति की सूचना अवश्य दें।
सस्नेह

प्रधानाचार्य
सरकारी एमएलएस कॉलेज
सीपत बिलासपुर (छ.ग.)
91.7752.265050
ईमेल: gmlscseepat@gmail.com

शासकीय मदनलाल शुक्ल स्नातकोत्तर महाविद्यालय

05 / 12 / 2025

सिल्क टेक्निकल सर्विस सेंटर, सेंन्ट्रल सिल्क बोर्ड, पेन्डारी जिला बिलासपुर

शेक्षणिक भ्रमण हेतु छात्र/छात्राओं की सूची

कमांक	छात्र / छात्रा का नाम	विभाग	जाने का समय	लौटने का समय
	1 सजरून निशा 2 भारती सिदार 3 सन्ध्या साहू 4 संतोषी साहू 5 प्रीती साहू 6 अंजू भोसले ~~7 प्रेम धवन~~ 8 ज्योती साहू 9 अब्दुल समद खान ~~10 पार्वती~~ 11 प्रशांत यादव 12 विकास पटेल 13 अरुण कुमार	राजनीती शास्त्र		
	14 अनीशा ठाकुर 15 प्रिया शेष	अंग्रेजी		
	16 हितेश पटेल 17 यशपाल 18 देवकुमारी यादव	एम एस डब्ल्यू		
	19 स्वाती सक्सेना 20 आयूश टेंगवार 21 भुमिका मरकाम 22 भुवनेश्वरी साहू 23 दिव्या क्षत्रिय 24 लक्ष्मण श्रीवास ~~25 रघुबीर पटेल~~ 26 प्रीती सिंह 27 नेहा शेष 28 बबीता जांगड़े	हिन्दी		

	29 आरती सिदार	आरती सिदार		आरती सिदार
	30 खुशबू पटेल खुशबू पटेल	समाज शास्त्र		खुशबू पटेल
	31 राजिन सूर्यवंशी			
	~~32 संजना मरावी~~			
	~~33 रितु साहू~~			
	~~34 राजा~~			
	35 वर्षा नेताम	वर्षा नेताम		वर्षा नेताम
	~~36 सिम्मी~~			
	37 रेणुका जगत	रेणुका जगत		रेणुका जगत
	38 सक्षम भार्गव	सक्षम भार्गव		Saksham
	39 कैलाश सारथी	कैलाश सारथी		कैलाश यशवंत
	40 यशवंत	यशवंत		
	41 प्रकाश पटेल	प्रकाश पटेल		प्रकाश पटेल
	42 अंजलि साहू	अंजली साहु		Anjali
	43 अजय कुमार	अजय		Ajay
	44 भूमिका पटेल	भूमिका पटेल	भूमिका पटेल	भूमिका पटेल
	45 मिथिलेश श्रीवास	MSM		MS
	46 प्रेमा केशर	अर्थशास्त्र	Prema	Prem
	47 सिमरन लहरे		Simran	Simran
	48 विनोद		[illegible]	[illegible]
	49 सूर्यकांत		सूर्यकांत	सूर्यकांत
	50 प्रतिज्ञा मरावी		प्रविणा	Pravali

वस्त्र मंत्रालय
MINISTRY OF
TEXTILES

तसर कोसोत्तर क्षेत्र पर जागरूकता कार्यक्रम के लिए अनुसूची

दिनांक: 05-12-2025

स्थान: के.रे.बो.-रेशम तकनीकी सेवा केंद्र, बिलासपुर (छ.ग.)

उद्घाटन सत्र		
समय	**कार्यक्रम**	**विवरण**
11:30-11:35	स्वागत भाषण एवं कार्यक्रम का परिचय	श्री अशोक कुमार, वैज्ञानिक- बी, के.रे.बो.-रे.त.से.के., बिलासपुर
11:35-11:40	अतिथियों का स्वागत	श्री अशोक कुमार, वैज्ञानिक- बी, के.रे.बो.-रे.त.से.के., बिलासपुर
11:40-11:45	विशिष्ट अतिथि का उद्बोधन	श्रीमति स्वेता पाण्ड्या, सहायक प्राध्यापक, शासकीय मदन लाल शुक्ल महाविद्यालय, सीपत
11:45-11:50	विशिष्ट अतिथि का उद्बोधन	डॉ. हेमपुष्पा नायक, सहायक प्राध्यापक, शासकीय मदन लाल शुक्ल महाविद्यालय, सीपत
11:50-11:55	मुख्य अतिथि का उद्बोधन	डॉ. एन. के. भाटिया, निदेशक के.रे.बो-बु.त.रे.बु.स., बिलासपुर
11:55-12:00	धन्यवाद ज्ञापन	डॉ. हेमलाल साहू, व.त.स., के.रे.बो.-रे.त.से.के., बिलासपुर
12:00-12:15	**चाय अवकाश**	
तकनीकी सत्र		
12:15-12:50	तसर रेशमकीट का जीवनचक्र एंव तकनीकी विषयों पर चर्चा	डॉ. हसनसाब नदाफ़, वैज्ञानिक-डी एवं डॉ. जे. पी. पांडे, वैज्ञानिक-डी, के.रे.बो- बु.त.रे.बु.स., बिलासपुर
12:50-13:20	रेशम फाइबर का परिचय एवं प्रमुख प्रकार	श्री अशोक कुमार, वैज्ञानिक- बी, के.रे.बो.-रे.त.से.के., बिलासपुर
13:20-14:00	कोकून सुखाने, भंडारण, छँटाई एवं पकाने की विधि	डॉ. हेमलाल साहू, व.त.स., के.रे.बो.-रे.त.से.के., बिलासपुर
14:00-14:30	**अल्पाहार अवकाश**	
14:30-15:30	तसर रेशम रीलिंग और स्पिनइंग	श्री अशोक कुमार, वैज्ञानिक- बी, एवं श्री कैलाश गौंडा, टेक्निशन के.रे.बो.- रे.त.से.के., बिलासपुर
15:30-17:00	क्षेत्र भ्रमण (रीलिइंग यूनिट परसदा, बिलासपुर)	डॉ. हेमलाल साहू, व.त.स., के.रे.बो.-रे.त.से.के., बिलासपुर

तसर प्लस (सोडियम कार्बोनेट और सोडियम बाईकार्बोनेट) द्वारा तसर कोसों को पकाने की विधि

उद्देश्य

कोसों को पकाने से तात्पर्य है कि कोसों के कवच में अंदर परतों तक क्षारीय घोल को पहुँचाना एवं समान रूप से सेरीसिन मुलायम करना तथा कोसों में मौजूद कैल्शियम ऑक्सालेट को हटाना, बिना रूके कोसों द्वारा फिलामेंट सुचारु रूप से प्राप्त करना, बेहतर रीलिबिलिटी प्राप्त करना तथा अधिक कच्चा रेशम प्राप्त करना एवं रेशम अपशिष्ट की मात्रा कम उत्पन्न हो और बेहतर गुणवत्ता वाले कच्चे रेशम का उत्पादन प्राप्त हो।

प्रक्रिया

- **तसर कोसों की छँटाई**:
कोसों को आकार, खोल के वजन और आयु (नया/पुराना) के आधार पर छाँटकर जालीदार सूती कपड़े में बाँधें।

- **पानी उबालना**:
एक बेलनाकार बर्तन में स्वच्छ पानी लें और उबालें। (400 डाबा कोसों के लिए लगभग 4 लीटर और 400 रैली कोसों के लिए 5 लीटर पानी आवश्यक है)।

- **घोल तैयार करना**:
उबलते पानी में 11 ग्राम प्रति लीटर पानी के हिसाब से तसर प्लस पाउडर मिलाकर घोल तैयार करें।

- **कोसों को उबालना**:
कोसों को इस उबलते हुए घोल में ढक कर उबालें:
    - डाबा कोसों के लिए 20 -25 मिनट।
    - रैली कोसों के लिए 40-50 मिनट।
    (उबालते समय डाबा कोसों को 2 बार और रैली कोसों को 3-4 बार ऊपर-नीचे करना जरूरी है)।

- **भाप देना**:
कोसों को घोल के ऊपर स्टैंड पर रखें और ढक्कन बंद कर दें:
    - डाबा कोसों को 25-30 मिनट।
    - रैली कोसों को 1 घंटा।
    (भाप देने के दौरान कोसों को ऊपर-नीचे करना आवश्यक है)।
    इसके बाद कोसों को 5 मिनट तक ताजे पानी में भाप दें।

- **ठंडा करना और फ्लॉस हटाना**:
कोसों को बर्तन से निकालकर ठंडा करें और प्रत्येक कोस का फ्लॉस हटाएँ।

- **धागाकरण प्रक्रिया**:
कोसों को सुख रीलिंग पद्धति से रीलिंग मशीन पर धागाकरण करें।

बुनियाद रीलिङ्ग मशीन

केन्द्रीय रेशम प्रौद्योगिकी अनुसंधान संस्थान (CSTRI), केन्द्रीय रेशम बोर्ड, बैंगलोर द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों की महिला धागाकारों के लिए एक उपयोगी बुनियाद धागाकरण मशीन विकसित की गई है। यह मशीन निम्नलिखित विशेषताओं से युक्त है:

- **डिजाइन और संचालन:**
  - यह मशीन 25W - 12V DC मोटर (2600 RPM) से संचालित होती है, जो न्यूनतम बिजली की खपत करती है।
  - इस मशीन का भर केवल 9 कि.ग्रा है, जिससे इसे आसानी से एक स्थान से दूसरे स्थान पर ले जाया जा सकता है।
  - चरखी की गति 105 RPM तक जाती है, जो 70 मीटर प्रति मिनट की गति से रेशम धागे को नाइलोन रील पर लपेटती है।
  - चरखी की गति (RPM) को विभिन्न प्रकार के कोसों के अनुसार रेगुलेटर की मदद से समायोजित किया जा सकता है।
  - इसे महिलाओं द्वारा आसानी से संचालित किया जा सकता है।
- **कार्यप्रणाली:**
  - कोसों से एकल तंतुओं को निकालकर ट्रे में रखा जाता है।
  - तंतु, थ्रेड गाइड से होते हुए झूठे ऐंठन तंत्र (false twisting system) से गुजरते हैं, जो अलग-अलग तंतुओं के बीच सामंजस्य (cohesion) स्थापित करता है।
  - इसके बाद, धागे आड़े-तिरछे गाइड से होकर 0.68 मीटर की प्लास्टिक चरखी पर लिपटते हैं।
- **उत्पादन:**
  - 70 मीटर प्रति मिनट की गति और 85% कार्यकुशलता के साथ, 70 डेनियर के तसर रेशम धागों का उत्पादन 220 ग्राम होता है।
  - मोटे डेनियर धागों के लिए उत्पादन अधिक होता है, जैसे 100 डेनियर धागे के लिए 315 ग्राम उत्पादन प्राप्त किया जा सकता है।

मोटर सह पैडल संचालित कताई मशीन

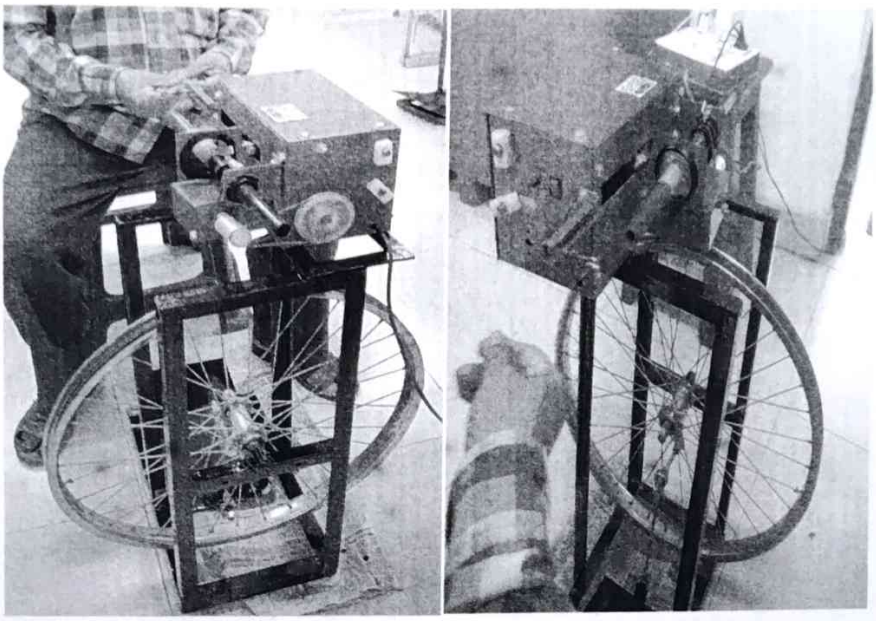

- **डिजाइन और संचालन:**
  - यह मशीन 25W - 12V DC से संचालित होती है, जो न्यूनतम बिजली की खपत करती है।
  - इस मशीन को बिजली न होने पर भी पैडल से चलाया जा सकता है ताकि लाभकर्ता का कार्य न रुके।
  - ऑपरेटर स्पीड रेग्यलैटर से बाबिन/स्पिन्डल के गति को नियंत्रित कर सकता है।
  - स्पिन्डल की न्यूनतम गति 1700 एवं अधिकतम गति 4000 आरपीएम है। जिससे ऑपरेटर अपनी कुशलता एवं कोसे एवं धागे के प्रकार अनुसार इस्तेमाल कर सकता है।
- **कार्यप्रणाली:**
  - स्पिन्डल पर बाबिन चडाया कर बाबिन मे पहले से बना कुछ धागा लपेटा जाता है।
  - लपेटे हुए धागे को टरेवेलर (छल्ले) मे से गुजार कर थ्रेड गाइड से गुजर जाता है।
  - एक हाथ मे पकाये हुए कोसे को पकड़ कर दूसरे हाथ से कुछ रेशों को खींचा जाता है।
  - कोसे से निकाले हुए रेशों को पहले से बाबिन पर लपेटे हुए धागे के साथ ऐंठ कर जोडा जाता है।
  - मशीन को ऑन कर धागे की मोटाई (काउंट) के अनुसार एक हाथ से कोसे मे से रेशों को खिचते हुए समान मात्रा मे बाबिन की ओर छोड़ा जाता है।
  - स्पिन्डल पर बाबिन घूमने से (traveler) छल्ले के माध्यम से धागा घूमता है जिससे धागे मे ऐंठन पड़ती है।
  - रिंग रेल के ट्रवर्स मोशन से बाबिन पर धागा एक समान लपेट जाता है।
- **उत्पादन:**
  - 4000 आरपीएम की गति पर और 85% कार्यकुशलता के साथ, 25 Nm काउंट (8 tpi) के प्रतिदिन 210 ग्राम तसर रेशम धागों का उत्पादन होता है।
  - मोटे काउंट के धागे के लिए उत्पादन अधिक होता है, जैसे 20 Nm धागे के लिए 260 ग्राम उत्पादन प्राप्त किया जा सकता है।

ऐसिड डाई से तसर रेशम की रंगाई

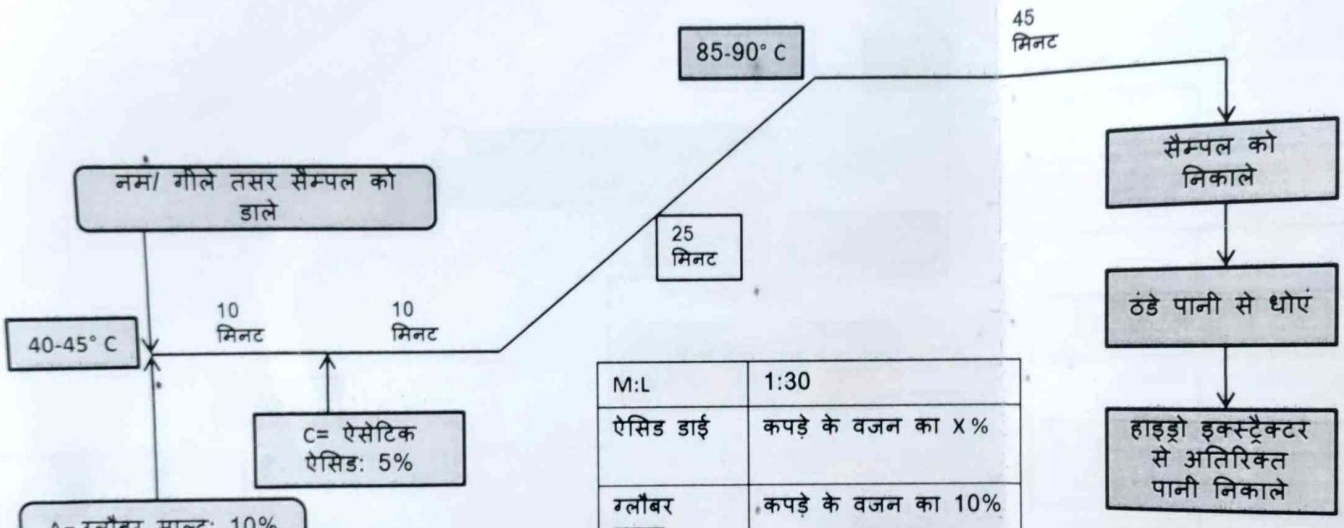

M:L	1:30
ऐसिड डाई	कपड़े के वजन का X %
ग्लौबर साल्ट	कपड़े के वजन का 10%
ऐसेटिक ऐसिड	4-6% (40%
तापमान एवं समय	85-90° C, 45 मिनट के लिए
PH	4-6

एन्ज़ाइम एस्तेमाल से तसर रेशम कपड़े की फिनिशिंग

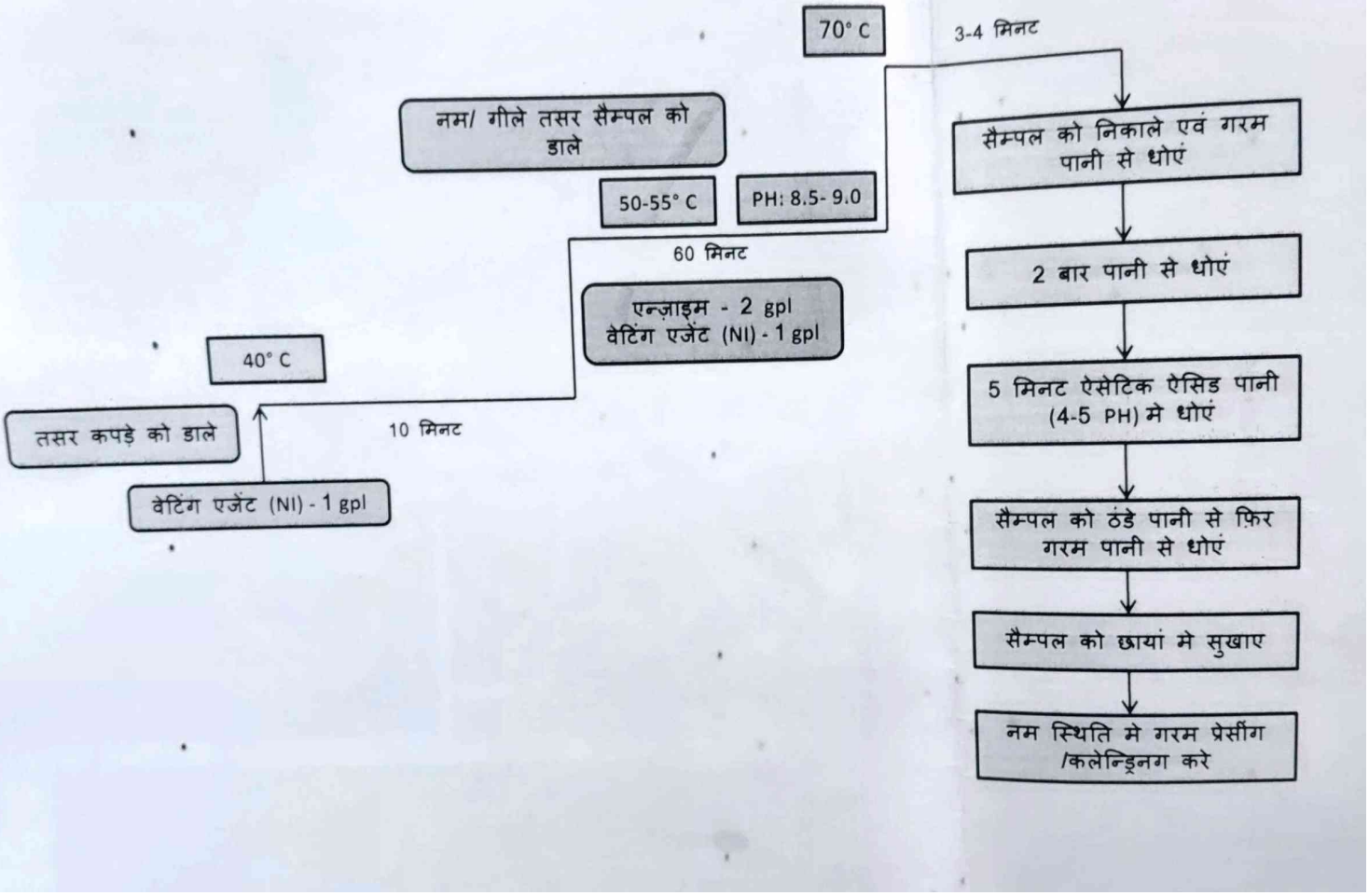

शासकीय मदनलाल शुक्ल स्नातकोत्तर महाविद्यालय सीपत

जिला - बिलासपुर (छ.ग.)

स्थान - बुनियादी तसर रेशमकीट बीज संगठन, केन्द्रीय रेशम बोर्ड पेंडारी, बिलासपुर

दिनांक- **05/12/2025**

बुनियादी तसर रेशमकीट बीज संगठन
B.T.S.S.O.-BILASPUR
बुनियादी बीज प्रमाणन एवं प्रशिक्षण केन्द्र
पेण्ड्री, बिलासपुर (छ.ग.)
बुनियादी तसर रेशमकीट बीज संगठन
BASIC TASAR SILKWORM SEED ORGANISATION

GPS Map Camera
Bilaspur, Chhattisgarh, India
43g5+gxh, Bilaspur, Chhattisgarh 495003, India
Lat 22.125992° Long 82.060372°
Friday, 05/12/2025 02:37 PM GMT +05:30
Google

495 112, छत्तीसगढ़
R SILKWORM SEED ORGANISATION
BOARD (MINISTRY OF TEXTILES, GOVT. OF INDIA)
ILASPUR - 495 112, CHHATTISGARH
MINISTRY OF TEXTILES
तसर कोसोतर प्रौधयोगिकी पर जागरूकता कार्यक्रम
(सी एस एस–प्रचार प्रसार 2025-26)
AWARENESS PROGRAM ON TASAR POST COCOON
NOLOGIES UNDER CSS-EXTENSION 2025-26
दिनांक/DATE: 05-12-2025
स्थान/PLACE: पेंडारी, बिलासपुर (छ.ग)
PENDARI, BILASPUR (C.G)
स्पन धागा
मटका धागा
Shot on motorola edge 50 pro
Mithlesh Kumar
5 Dec 2025, 12:36 pm

बीज संगठन
रत सरकार)
गढ़
ORGANISATION
ILES, GOVT. OF INDIA)
SGARH
गिकी पर जागरूकता कार्यक्रम
प्रचार प्रसार 2025-26)
M ON TASAR POST COCOON
ER CSS-EXTENSION 2025-26
ATE: 05-12-2025
पेंडारी, बिलासपुर (छ.ग)
BILASPUR (C.G)
/ORGNIZED BY:
SERVICE CENTER
NTRAL SILK BOARD
GOVT. OF INDIA
UR- 495112
Shot on motorola edge 50 pro
Mithlesh Kumar
5 Dec 2025, 12:38 pm

बुनियादी तसर रेशमकीट बीज संगठन
केन्द्रीय रेशम बोर्ड (वस्त्र मंत्रालय, भारत सरकार)
बिलासपुर - 495 112, छत्तीसगढ़
BASIC TASAR SILKWORM SEED ORGANISATION
CENTRAL SILK BOARD (MINISTRY OF TEXTILES, GOVT. OF INDIA)
BILASPUR - 495 112, CHHATTISGARH
तसर कोसोत्तर प्रौद्योगिकी पर जागरूकता कार्यक्रम
(सी एस एस- प्रचार प्रसार 2025-26)
AWARENESS PROGRAM ON TASAR POST COCOON
TECHNOLOGIES UNDER CSS-EXTENSION 2025-26
दिनांक/DATE: 05-12-2025
स्थान/PLACE: पेंडारी, बिलासपुर (छ.ग.)
PENDARI, BILASPUR (C.G)
GPS Map Camera
Bilaspur, Chhattisgarh, India
43g5+gxh, Bilaspur, Chhattisgarh 495003, India
Lat 22.126548° Long 82.059894°
Friday, 05/12/2025 12:09 PM GMT +05:30
Google

वस्त्र मंत्रालय, भारत सरकार
केन्द्रीय रेशम बोर्ड
बुनियादी तसर रेशमकीट बीज संगठन
पेंडारी, बिलासपुर - 495112 (छ.ग.)
MINISTRY OF TEXTILES, GOVT. OF INDIA
CENTRAL SILK BOARD
BASIC TASAR SILKWORM SEED ORGANISATION
PENDARI, BILASPUR - 495112 (C.G.)

कला के विद्यार्थियों ने जाना रेशम उद्योग का विज्ञान, रेशम उत्पादन की वैज्ञानिक प्रक्रिया से रूबरू हुए विद्यार्थी

मदनलाल शुक्ला पीजी कॉलेज के छात्रों का केंद्रीय रेशम बोर्ड शैक्षणिक भ्रमण

स्वदेश ज्योति, सीपत।

06/12/2025

उच्च शिक्षा को व्यवहारिक और रोजगारोन्मुख बनाने के उद्देश्य से लागू पीएम–ऊषा मद के अंतर्गत शासकीय मदनलाल शुक्ला स्नातकोत्तर महाविद्यालय, सीपत के कला संकाय के स्नातकोत्तर कक्षाओं के विद्यार्थियों ने केंद्रीय रेशम बोर्ड का शैक्षणिक अध्ययन भ्रमण किया।

इस भ्रमण का उद्देश्य विद्यार्थियों को रेशम उत्पादन, रेशम कीट पालन, कोकून प्रोसेसिंग, धागा निर्माण तथा रेशम उद्योग से जुड़ी वैज्ञानिक एवं औद्योगिक प्रक्रियाओं की प्रत्यक्ष एवं व्यावहारिक जानकारी प्रदान करना था। अध्ययन भ्रमण के दौरान रेशम बोर्ड के विशेषज्ञों ने विद्यार्थियों को रेशम कीट पालन की आधुनिक तकनीक, कोकून से धागा निर्माण की प्रक्रिया तथा रेशम उत्पादों के विपणन एवं आर्थिक महत्व के बारे में विस्तृत जानकारी दी। विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक प्रश्न पूछे और उद्योग आधारित प्रक्रियाओं को नजदीक से समझा। इस

हिमांशु गुप्ता (पत्रकार)

शैक्षणिक भ्रमण में महाविद्यालय की डॉ. श्वेता पंड्या (सहायक प्राध्यापक, अंग्रेजी), डॉ. हेमपुष्पा नायक (सहायक प्राध्यापक, हिंदी), विमल तिवारी, दीपेश जोशी एवं धनंजय टंडन उपस्थित रहे और विद्यार्थियों को निरंतर मार्गदर्शन प्रदान किया। डॉ. श्वेता पंड्या ने कहा कि कक्षा में पढ़ाया गया सिद्धांत जब व्यवहार से जुड़ता है, तभी विद्यार्थी वास्तविक सीख प्राप्त करते हैं। ऐसे अध्ययन भ्रमण उनके दृष्टिकोण को व्यापक बनाते हैं।

डॉ. हेमपुष्पा नायक ने कहा कि रेशम उद्योग जैसे पारंपरिक और वैज्ञानिक क्षेत्र की जानकारी विद्यार्थियों को बहुआयामी करियर विकल्पों से जोड़ती है। विमल तिवारी ने कहा कि पीएम–ऊषा योजना के अंतर्गत इस तरह के भ्रमण विद्यार्थियों को उद्योग आधारित कौशल से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। कला संकाय के छात्र-छात्राओं ने भ्रमण में उत्साहपूर्वक भाग लिया और शैक्षणिक भ्रमण को ज्ञानवर्धक एवं प्रेरणादायी बताया।

06/12/2025

मदनलाल शुक्ला पीजी कॉलेज के छात्रों ने किया रेशम बोर्ड का भ्रमण

सीपत/नवप्रदेश। उच्च शिक्षा को व्यवहारिक और रोजगारोन्मुख बनाने के उद्देश्य से लागू पीएम-ऊषा मद के अंतर्गत शासकीय मदनलाल शुक्ला स्नातकोत्तर महाविद्यालय, सीपत के कला संकाय के स्नातकोत्तर कक्षाओं के विद्यार्थियों ने केंद्रीय रेशम बोर्ड का शैक्षणिक अध्ययन भ्रमण किया। इस भ्रमण का उद्देश्य विद्यार्थियों को रेशम उत्पादन, रेशम कीट पालन, कोकून प्रोसेसिंग, धागा निर्माण तथा रेशम उद्योग से जुड़ी वैज्ञानिक एवं औद्योगिक प्रक्रियाओं की प्रत्यक्ष एवं व्यावहारिक जानकारी प्रदान करना था। अध्ययन भ्रमण के दौरान रेशम बोर्ड के विशेषज्ञों ने विद्यार्थियों को रेशम कीट पालन की आधुनिक तकनीक, कोकून से धागा निर्माण की प्रक्रिया तथा रेशम उत्पादों के विपणन एवं आर्थिक महत्व के बारे में विस्तृत जानकारी दी। विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक प्रश्न पूछे और उद्योग आधारित प्रक्रियाओं को नजदीक से समझा। इस शैक्षणिक भ्रमण में महाविद्यालय की डॉ. श्वेता पंड्या (सहायक प्राध्यापक, अंग्रेजी), डॉ. हेमपुष्पा नायक (सहायक प्राध्यापक, हिंदी), विमल तिवारी, दीपेश जोशी एवं धनंजय टंडन उपस्थित रहे और विद्यार्थियों को निरंतर मार्गदर्शन प्रदान किया। डॉ. श्वेता पंड्या ने कहा कि कक्षा में पढ़ाया गया सिद्धांत जब व्यवहार से जुड़ता है, तभी विद्यार्थी वास्तविक सीख प्राप्त करते हैं।

शुक्ल कॉलेज के विद्यार्थियों ने किया केंद्रीय रेशम बोर्ड का शैक्षणिक भ्रमण

06/12/2025

सीपत। उच्च शिक्षा को व्यवहारिक और रोजगारोन्मुख बनाने के उद्देश्य से लागू 'पीएम ऊषा योजना' के अंतर्गत शासकीय मदनलाल महाविद्यालय सीपत के कला संकाय के विद्यार्थियों ने केंद्रीय रेशम बोर्ड का शैक्षणिक भ्रमण किया।

हिमांशु गुप्ता (पत्रकार)

रेशम उद्योग का भ्रमण करने पहुंचे विद्यार्थी।

इस भ्रमण का उद्देश्य विद्यार्थियों को रेशम उत्पादन, रेशम कीट पालन, कोकून प्रोसेसिंग, धागा निर्माण तथा रेशम उद्योग से जुड़ी वैज्ञानिक एवं औद्योगिक प्रक्रियाओं की प्रत्यक्ष एवं व्यावहारिक जानकारी प्रदान करना था। भ्रमण के दौरान रेशम बोर्ड के विशेषज्ञों ने विद्यार्थियों को रेशम कीट पालन की आधुनिक तकनीक, कोकून से धागा निर्माण की प्रक्रिया तथा रेशम उत्पादों के विपणन एवं आर्थिक महत्व के बारे में विस्तृत जानकारी दी। विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक प्रश्न पूछे और उद्योग आधारित प्रक्रियाओं को नजदीक से समझा। इस शैक्षणिक भ्रमण में महाविद्यालय की डॉ श्वेता पंड्या, डॉ हेमपुष्पा नायक, विमल तिवारी, दीपेश जोशी एवं धनंजय टंडन उपस्थित रहे और विद्यार्थियों को निरंतर मार्गदर्शन प्रदान किया। डॉ श्वेता पंड्या ने कहा कि, कक्षा में पढ़ाया गया सिद्धांत जब व्यवहार से जुड़ता है, तभी विद्यार्थी वास्तविक सीख प्राप्त करते हैं। ऐसे अध्ययन भ्रमण उनके दृष्टिकोण को व्यापक बनाते हैं। डॉ हेमपुष्पा नायक ने कहा कि, रेशम उद्योग जैसे पारंपरिक और वैज्ञानिक क्षेत्र की जानकारी विद्यार्थियों को बहुआयामी करियर विकल्पों से जोड़ती है। विमल तिवारी ने कहा कि 'पीएम ऊषा योजना' के अंतर्गत इस तरह के भ्रमण विद्यार्थियों को उद्योग आधारित कौशल से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।

कार्यालय-प्राचार्य शासकीय मदनलाल शुक्ल स्नातकोत्तर महाविद्यालय
नवाडीह चौक सीपत, जिला बिलासपुर (छ.ग.), पिन कोड - 495555
Website - https://gmlscollege.ac.in, Email_ gmlscseepat@gmail.com, AISHE CODE C-22298

सीपत, दिनांक /01/2026

शैक्षणिक भ्रमण

प्रतिवेदन

शासकीय मदनलाल शुक्ल स्नातकोत्तर महाविद्यालय सीपत द्वारा PM. UShA मद के तहत् कला संकाय के स्नातकोत्तर कक्षाओं के छात्र–छात्राओं को दिनांक 05/12/2025 को केन्द्रीय रेशम बोर्ड तकनीकी सेवा केन्द्र, परसदा, जिला– बिलासपुर (छ.ग.) शैक्षणिक भ्रमण हेतु ले जाया गया। भ्रमण का उद्देश्य रेशम उद्योग के प्रति छात्र–छात्राओं में सैद्धांतिक एवं व्यावहारिक दृष्टिकोण में विकास करना था ताकि उन्हें व्यावहारिक एवं व्यावसायिक लाभ भी प्राप्त हो सके।

उक्त भ्रमण में प्रातः 11 बजे बस द्वारा कला संकाय के 44 छात्र–छात्राएं केन्द्रीय रेशम बोर्ड तकनीकी रेशम सेवा केन्द्र, परसदा बिलासपुर पहुँचे। केन्द्र के वैज्ञानिक श्री अशोक कुमार ने कार्यक्रम की रूपरेखा से विद्यार्थियों को अवगत कराया। कार्यक्रम दो सत्रों का रहा। प्रथम सत्र में विशिष्ट अतिथि के रूप में श्रीमती श्वेता पंड्या एवं डॉ. हेमपुष्पा नायक का उद्बोधन उल्लेखनीय रहा तत्पश्चात निदेशक एन.के. भाटिया ने मुख्य अतिथि के रूप में अपना उद्बोधन प्रस्तुत किया। श्री अशोक कुमार, वैज्ञानिक, के.रे.बो. रेशम सेवा केन्द्र द्वारा टसर उत्पादन का परिचय प्रदान किया गया।

कार्यक्रम के तकनीकी सत्र में डॉ. हसनदाब लदाफ, वैज्ञानिक ने रेशम कीट के जीवनचक्र को विस्तारपूर्वक बताया। उनके उद्बोधन पश्चात् श्री अशोक कुमार, (वैज्ञानिक) ने रेशम फाइबर के प्रकारों को बताया। तत्पश्चात् डॉ. हेमलाल साहू जी द्वारा कोकून सुखाने, भंडारण एवं पकाने की विधि से छात्र–छात्राओं को अवगत कराया।

स्वल्पाहार के पश्चात् पुनः श्री अशोक कुमार जी द्वारा टसर रेशम रीलिंग एवं स्पिनइंग को प्रायोगिक रूप से दिखाया गया एवं छात्र–छात्राओं से रोचक प्रश्नोत्तर के रूप में फीडबैक लिया गया। इस सत्र में छात्र–छात्राओं ने केन्द्र का भ्रमण किया। केन्द्र में कोकून को किस प्रकार से अलग–अलग तापमान में भंडारण किया जाता है, उससे अवगत कराया गया साथ ही कोकून को धागा बाँधकर भंडारण करने की विधि भी दिखाई गई।

कला संकाय के छात्र–छात्राओं ने भ्रमण में उत्साहपूर्वक भाग लिया और इस शैक्षणिक भ्रमण को ज्ञानवर्धक बताया तथा उन्हें कौशल विकास करने की प्रेरणा मिली। इस भ्रमण से विद्यार्थियो को न केवल ज्ञानवर्धक जानकारी मिली अपितु इससे उन्हें रेशम उत्पादन के क्षेत्र में आगे चलकर स्वरोजगार करने की भी प्रेरणा मिली। यह शैक्षणिक भ्रमण छात्र–छात्राओं के लिए सार्थक रहा।

पी.एम.उषा प्रभारी

संयोजक

डॉ. राजीव शंकर खेर
प्राचार्य
शास.एम.एल.स्ना. स्नातकोत्तर महाविद्यालय
सीपत, जिला बिलासपुर (छ.ग.)